STUDENT™

PROJECT WORK IN

पर्यावरण अध्ययन

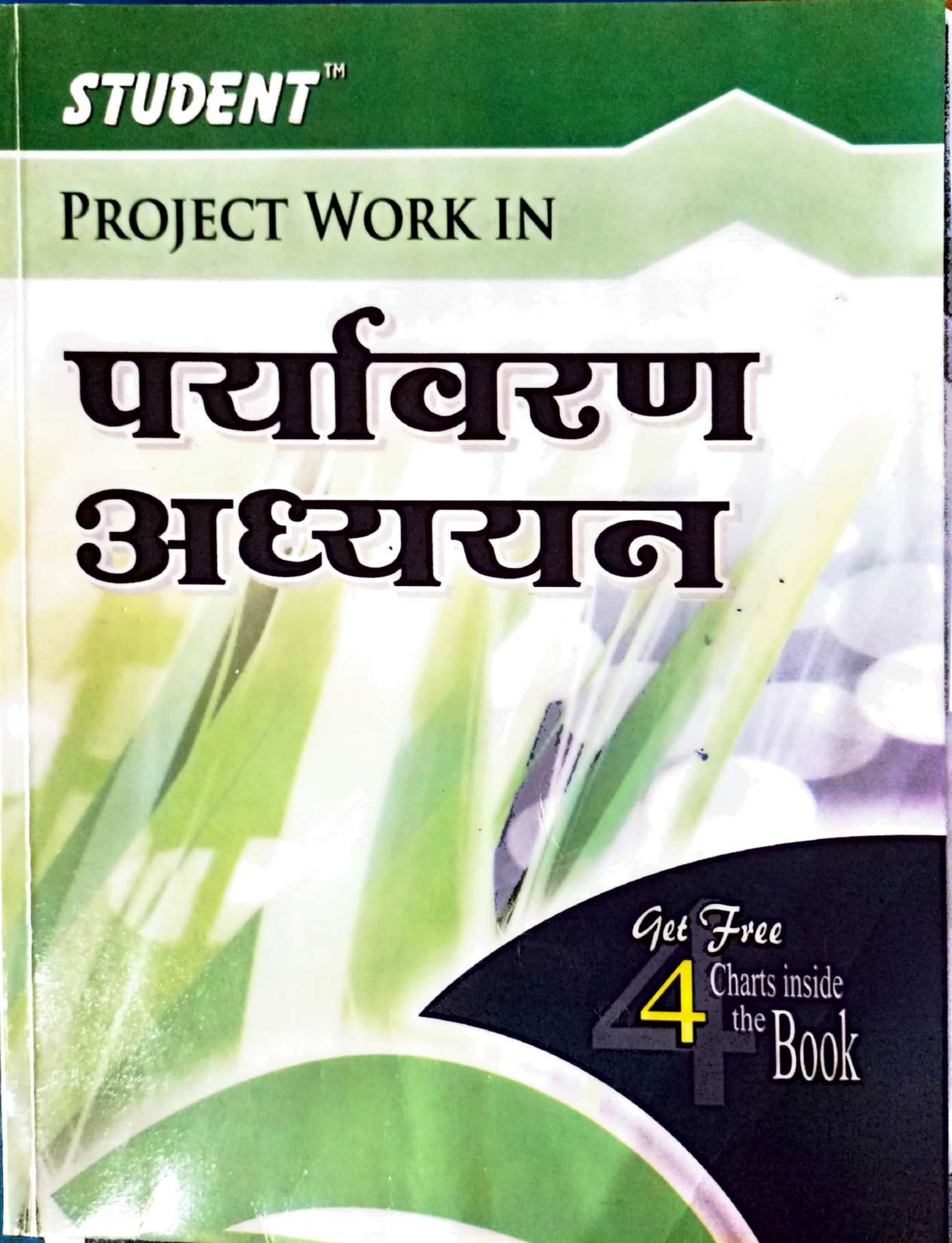

CERTIFICATE

This is to certify that

Mr./Miss. Sukhwinder Kaur

of Class/Sem B.B.A I Roll No 12221220 10005 Exam No. 220002106

has satisfactorily completed his/her term work in

E.V.S for the term ending in 2022 /2023

No.of practicals certified 4 out of 4 in the

subject of Environmental Studies

Date : 20/3/23

Tamanna 20/3/23
Sign of Teacher

Head of the Department

Tamanna 20/3/23
External / Internal Examiner

INDEX

S.No.	Date	Name of Experiment	Page No.	Signature
1.)	6.2.23	नदी का दौरा	1-2	Tamanna 13/2/23
2.)	13.2.23	स्थानीय कृषि प्रदूषित स्थल का दौरा	1-2	Tamanna 20/2/23
3.)	20.2.23	सामान्यत: अपने क्षेत्र में पाए जाने वाले कीटों का अध्ययन	1-5	Tamanna 27/2/23
4.)	27.2.23	तालाब पारिस्थितिक तंत्र का अध्ययन	1-2	Tamanna 15/3/23

नदी का दौरा

अपने आस-पास की नदी पर एक स्थान का चुनाव करे और नदी पर्यावरण के अध्ययन के लिए निम्नलिखित सूचनाएँ एकत्रित करें –

कार्यविधि :-

i) नदी का नाम लिखें, इसका उद्गम स्थान, प्रवाह मार्ग, नदी का प्रकार (बारहमासी है या मौसमी) नदी की लंबाई, नदी का कुल अपवाह क्षेत्र तथा इसके किनारे पर स्थित महत्वपूर्ण स्थानों पर नोट कीजिए –

ii) जल की गुणवत्ता को नोट करे– जैसे यह अच्छा है, यह साफ है या गन्दा, देखें कि नदी में कोई झाग, गहरे रंग का या ग्रीस की तरह का कोई पदार्थ तो उपस्थित नहीं है। यदि हाँ, तो इन प्रदूषकों का स्त्रोत नोट कीजिए। इसके साथ-साथ नदी जल का तापमान तथा pH मूल्य भी नोट करें।

iii) नदी जल का उपयोग – क्या यह पीने, सिंचाई करने या औद्योगिक कार्य में प्रयोग किया जाता है।

Remarks ..... Teacher's Signature ..... Tamanna 3/2/23

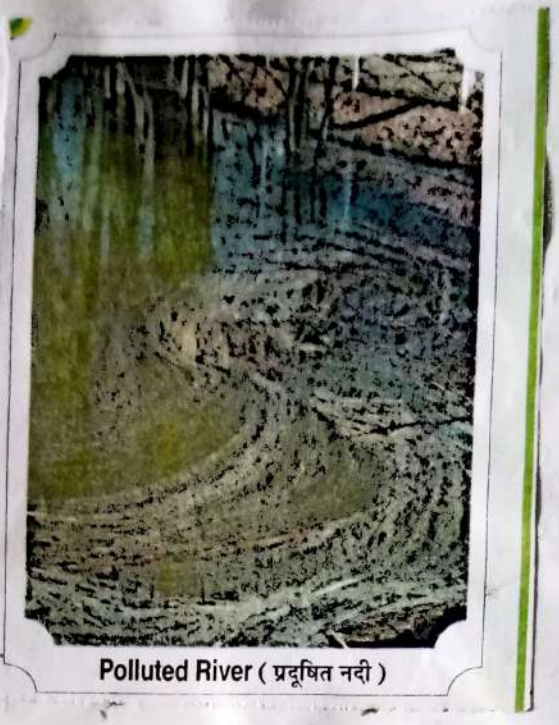

Polluted River (प्रदूषित नदी)

नाम - घग्घर नदी
उद्गम - शिवालिक
नदी का प्रकार - यह एक मौसमी नदी है।
लम्बाई - 467 कि. मी. है।
मुख्य सहायक नदी - मारकंडा और टांगरी इसकी मुख्य सहायक नदी है।
भ्रमण स्थान - कुरुक्षेत्र शहर के निकट।

:- कुरुक्षेत्र शहर के निकट इस नदी का आवलोकन किया गया है जिसमें पाया गया है इस नदी का रंग काला व बदबूदार है पानी के ऊपर सफेद झाग भी देखी जा सकती है नदी के पानी के संपर्क में आने से काफी लोग चर्म रोग का शिकार हो चुके है नदी के इस प्रदूषण को मुक्त कराने के लिए हरियाणा सरकार ने सख्त कदम उठाए है

Teacher's Signature ....Tamanna 13/3/25

प्रोजेक्ट → 3

सामान्यत: अपने क्षेत्र में पाए जाने वाले कीटों का अध्ययन

विद्यार्थी अपने आस-पास के क्षेत्रों में का दौरा करें व कीटों के बारे में निम्नलिखित तथ्य एकत्रित करें —

कार्यविधि :-

i) क्षेत्र का चुनाव करके उसका नाम व भौगोलिक स्थिति अंकित करें।

ii) क्षेत्र का मानचित्र प्राप्त करें।

iii) सामान्य कीटों के नाम नोट कीजिए।

iv) अपने अध्यापक की सहायता से कीटों के जैविक नाम लिखें।

v) कीटों की विशेषताएं व महत्त्व नोट कीजिए।

vi) क्षेत्र में पाए जाने वाले कीटों की सूची बनाएं।

vii) प्रत्येक कीट का छायाचित्र खींचिए व रिपोर्ट

Remarks .... Teacher's Signature Temanna 27/2/23

STUDENT

Expt. No. ..... Date ..... Page No. .....

क्रम संख्या	प्रचलित नाम	वैज्ञानिक नाम	निवास स्थान	मित्र / शत्रु	विशेषताएँ
1.)	मच्छर	Anopheles	खड़ा हुआ पानी	शत्रु	नर फूलों का रस, मादा पशुओं व मनुष्यों का रस चूसती है। इससे मलेरिया फैलता है।
2)	मक्खी	Muscaneb -ula	घर में पाई जाने वाली	शत्रु	यह गंदगी पर बैठती है तथा बीमारियाँ फैलाती है।
3)	काकरोच	Periplonata Americana	नमी व अंधेरी जगह में पाए जाने वाला	शत्रु	कपड़ो, जूतों, किताबों को हानि पहुँचाता है।
4.)	मधुमक्खी	Apis Indica	भवनों व छतों पर छत्ता बनाती है।	मित्र	इसके छत्तों से मधु व मोम प्राप्त होता है। जो बहुत सी चीज़ों में काम आता है।
5)	तितली	Pieris Brassical	पार्कों व खेतों में रहने वाली	मित्र	यह फूलों का परा... करती है।

Teacher's Signature .....

प्रोजेक्ट → 4

तालाब पारिस्थितिक तंत्र का अध्ययन

विद्यार्थी किसी नजदीकी तालाब का दौरा करें व तालाब पारिस्थितिक तन्त्र के अध्ययन के लिए निम्नलिखित तथ्य एकत्रित कीजिए –

कार्यविधि :-

i) तालाब का नाम :- बसहरी तालाब

ii) निर्जीव तथा सजीव तत्वों का अध्ययन :-

(क) निर्जीव तत्व :- जल की गुणवत्ता, तालाब के पानी का नमूना लेकर उसकी रासायनिक संरचना का अध्ययन करें।

(ख) सजीव तत्व :- सजीव तत्व जैसे :- उपभोक्ता तथा अपघटक आदि होते हैं।

* उत्पादकों में पादप प्लावक व पानी की सतह के नीचे डूबे हुए पौधे शामिल

Pond Ecosystem (तालाब पारिस्थितिक तन्त्र)

पर्यवेक्षण स्थान :- कुरुक्षेत्र शहर के निकट झोपड़ा गाँव के पास।

नदी परिस्थितिक तंत्र का अवलोकन :-

तालाब का अवलोकन पर पाया गए है। तालाब में वलवक, काई आदि नष्ट हो गई है। यह बहुत कम मात्रा में दिखाई देते है। तालाब पारिस्थितिक तंत्र नष्ट हो चुका है। पानी पर सफेद झाग दिखाई देती है। पानी में ऑक्सीजन की मात्रा कम होती है कारण जैसे :- मछली, मेंढक आदि नहीं देखे जा सकते। यह अपने आप ठीक नहीं हो सकता। इसको ठीक करने के लिए उचित प्रयास करने चाहिए।

Scheme of EVS Practical

SCHEME AND SYLLABUS FOR THE SUBJECT OF ENVIRONMENTAL STUDIES

The "Six month module syllabus for Environmental Studies for U.G. Courses" supplied by the UGC for the subject was approved for adoption in the Universities of the State. The subject is to be taught in 1st year of the U.G. Course.

The subject of Environmental studies will be included as a qualifying paper in all UG Courses (including professional courses also) from the session 2004-05 and the students will be required to qualify the same otherwise the final result will not be declared and degree will not be awarded.

Since the module syllabus for Environmental Studies for U.G. Courses supplied by the UGC has been adopted in toto, the scheme of examination proposed by the UGC has been approved by the Vice-Chancellor alongwith the syllabus of the course under section 11(5) of KU Act, 1986 so that the same becomes operative from the session 2004-05.

Credit System: The core course will be awarded 4 credits.

Exams. Pattern: In case of awarding the marks, the question paper should carry 100 marks. The structure of the question paper being:

Paper-I PART-A : Short Answer Pattern 25 Marks

PART-B : Essay type with inbuilt choice 50 Marks

Paper -II PART-C : Field Work (Practical) 25 Marks

Annual System: The examination of this compulsory qualifying subject of Environmental Studies in case of the DCC candidates will also be conducted by the Examination Branch of the University alongwith the annual examinations of other theory papers of the DCC candidates of the respective UG streams. With regard to the Field Work (Practical), the DCC candidates will be required to submit a Report of Practical Assignment of around 20 pages neatly written/typed,

duly bound by 30 March of the session which will be got evaluated by the Examination Branch of the University as in case of Practical Assignments/Project Report submitted by the DCC candidates of other courses.

Instructions for the Examiners

Part-A Question 1 is compulsory and will contain ten short-answer type question of 2.5 marks each covering the entire syllabus.

Part-B Eight essay type questions (with inbuilt choice) will be set from the entire syllabus and the candidates will be required to answer any four of them. Each essay type question will be of the 12-1/2 marks.

UNIT-8: Field Work (Practical).

- Visit to a local area to document environmental assets-river/forest/grassland/ hill/mountain.
- Visit to a local polluted site-Urban/Rural/Industrial/Agricultural.
- Study of common plants, insects, birds.
- Study of simple ecosystems-pond, river, hill slopes, etc.

SETH NAVRANG RAI LOHIA JAIRAM GIRLS COLLEGE, LOHAR MAJRA, KURUKSHETRA

BBA 2nd SEM (EVS PRACTICAL MAY 2023)

SESSION 2022-23

Sr. No	Class Roll NO	University Roll No	Regn. No	S/Name	F/Name
1	1222122010001	220002101	22-JL-109	VANSHIKA	DEEPAK KAUSHIK
2	1222122010005	220002106	22-JL-68	SUKHWINDER KAUR	TARSEM SINGH
3	1222122010009	220002104	22-JL-69	SARITA JOSHI	DEVI PARSAD JOSHI
4	1222122010010	220002105	22-JL-70	SANJANA	GOBIND
5	1222122010012	220002103	22-JL-121	NEERU	SURJEET SINGH
6	1222122010013	220002102	22-JL-72	MANU RANI	JOGINDER

Principal
SNRL Jairam Girls College
Lohar Majra, Kurukshetra

(HoD Commerce)